**Seventeenth Loksabha**

an>

Title : To prepare National Population Register

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा):** सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं जिस इलाके से आता हूं, वहां तीन ऐसी घटनाएं हुई हैं, जो देश को जानने लायक है। पूरा का पूरा जो आदिवासी समाज है, वह शेड्यूल-5 का जिला है। जो संथाल परगना का पूरा इलाका है, उसमें अभी तीन ऐसे हत्याकांड हुए, जिनमें घर में घुसकर लड़की को जला दिया गया। हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की बात करते हैं।

चाहे वह दुमका में हो, चाहे काठीकुंड में हो, चाहे मेरी लोक सभा क्षेत्र जरमुंडी में हो। अभी पीरपैंती में भी हुआ है, जो मेरे खुद का विधान सभा क्षेत्र है, जहां का मैं वोटर हूं। इन चारों जगहों पर जो चीजें दिखाई दे रही हैं, मैं लगातार इस संसद में बोलता रहा हूं कि यह सिर्फ वोट बैंक का सवाल नहीं है। सवाल ये है कि जो मुर्शिदाबाद, मालदा, कटिहार, किशनगंज, भागलपुर, गोड्डा, दुमका, देवघर, जामताड़ा और पाकुड़ है, इन सभी जगहों की डेमोग्राफी बदल गई है। यदि आप पूरे देश की जनसंख्या बढ़ोतरी को देखेंगे, यदि मेरे इलाके और जो बिहार और बंगाल का पार्ट है, जो संथाल परगना झारखंड का पार्ट है, वहां अचानक मुसलमानों की पापुलेशन बहुत बढ़ गई है। वहां उन मुसलमानों की पापुलेशन बढ़ी है, जो कि बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं।

यदि आप बांग्लादेशी घुसपैठियों को धर्म के आधार पर देखते हैं, तो एक बड़ा सवाल पैदा होता है कि आपकी बहू सुरक्षित है या नहीं, बेटी सुरक्षित है या नहीं। मैं आपको जिन चार घटनाओं के बारे में बता रहा हूं, जिनमें दिन-दहाड़े हत्या कर दी गई है, लेकिन जो एक बड़ा ट्रेन्ड डेवलेप हुआ है और पूरे देश को इस सवाल को जानना चाहिए कि आदिवासी लड़कियों के साथ मुसलमान शादी कर रहे हैं। शादी करने के बाद जो उनके बच्चे पैदा हो रहे हैं, वे मुसलमान होते हैं। जब झारखंड अलग हुआ था, हमारे यहां पाकुड़ नामक एक जिला है, तो उस वक्त वहां की मुस्लिम पापुलेशन 30 से 32 प्रतिशत थी, लेकिन आज वह 66 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

सभापति महोदय, जब मैं वर्ष 2009 में गोड्डा में पहली बार चुनाव लड़ने के लिए गया था, तो उस वक्त केवल और केवल 2,00,000 मुसलमान थे, लेकिन आज 4,00,000 मुसलमान हो गए हैं। क्या वे यहां के मुसलमानों का रोजगार नहीं छीन रहे हैं? क्या एएसआई और पीएफआई की जो एक्टिविटी है, वह इस देश को नहीं तोड़ रही है? पूरी दुनिया में जो भी साइबर क्राइम हो रहा है, वह सब मेरे इलाके में हो रहा है। यदि आप देखेंगे, तो नेटफ्लिक्स पर जामताड़ा नाम की एक वेब सीरीज भी आई है। वह सब कुछ बांग्लादेशी मुसलमान और घुसपैठिए कर रहे हैं।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि अब समय आ गया है कि नेशनल पापुलेशन रजिस्टर बनाया जाए, जो बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं, उनको बाहर करिए। जो आदिवासी महिलाएं प्रताड़ित हो रही हैं, जो शादी करके उनका धर्मांतरण कर रहे हैं, जिसके ऊपर सुप्रीम कोर्ट ने भी एक बहुत बड़ा क्वैश्चन किया है, आप उसको रोकने का प्रयास करिए।